

SHRI MAHENDRA SINGH DHONI

Shri Mahendra Singh Dhoni is the erstwhile Captain of Indian cricket team across all three formats of the game. Having retired from Test cricket he now represents the country in One Day Internationals and Twenty Twenty matches.

2. Born in small town of Ranchi, Shri Dhoni received his schooling in D.A.V Shyamali, where he excelled in football but was later coerced into taking up cricket to represent his school. Thus began his journey to represent India in the highest level of the game in course of which he rewrote whole lot of records and bring glory to India in field of cricket.

3. Shri Dhoni has been one of the pillars of Indian cricket over the last decade. He has been one of the impact players for India in all three forms of the game. He has mesmerised fans across the world with his cool and calm captaincy, destructive hitting and his ability to finish off games in his trademark style. He holds record of longest unbeaten run in Tests right from his debut to 11 matches. Who can forget a young long haired Dhoni scoring 148 match winning runs against Pakistan in Faislabad Test. He also scored 183 runs, not out, against Sri lanka in 2005, the highest run secured by a wicketkeeper. As a Captain, he has played the highest number of 331 International matches. He is the first Indian wicketkeeper batsman to cross 4000 test runs. It was under his captaincy that lndia topped the Test Cricket Rankings for the first time in the year 2009. He is the most successful captain with 27 Test wins in a row. Amongst the wicketkeepers he has the highest average of 51.37* in One Day International matches. Most centuries while batting at number seven in ODI. He also holds a record of over 174* stumpings across the format with 204 sixes to his name as a skipper. He as a captain and as a wicketkeeper, has represented the country in over 199 One Day Internationals, most in history. First Indian to hit 217* sixes in ODI, ranking fourth. In these outings he has a unbeatable record of 107* stumpings with still more to come. Always to lead from the front, the team won record breaking 41 Twenty Twenty International matches under him. He owns the record of most dismissals (78*) in T20 which includes record breaking 49* catches and 29* stumpings as on date. He was the first player to score 1000 runs in this shorter format of the game. Most T20 matches won (41) as captain. Shri Dhoni has been the most successful captain for India in International Cricket winning all three major ICC trophies. He catapulted to fame lifting the ICC T20 Trophy in 2007. He added another golden moment in the annals of Indian cricketing history by winning the 2011 World Cup after a gap of 28 years. He finished the treble by leading India to the Champions Trophy title in 2013.

4. Truly as a deserving champion, Shri Dhoni is a recipient of many awards and honours namely Padma Shri in Year 2009 and Rajiv Kbel Ratna in 2007. The same year he had been conferred the first Jharkhand Ratna, highest award of the State. He is the first player to be awarded ICC ODI Player for two successive years in 2007 and 2008 followed by Captain of the ICC World Test and ICC One Day International XI Teams in 2009. With his immaculate conduct both on and off the field, and sheer handwork , he was conferred the honorary rank of Lieutenant Colonel by the Indian Territorial Army in 2011. His passion for Indian defence forces has grown over the years with him earning his wings as a paratrooper. He wishes to serve the Indian Army after finishing his cricketing career.



श्री महेन्द्र सिंह धौनी

श्री महेन्द्र सिंह धौनी, क्रिकेट खेल के तीनों प्रारूपों में भारतीय क्रिकेट टीम के भूतपूर्व कप्तान हैं। टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद अब आप एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और ट्वेंटी-ट्वेंटी मैचों में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2. आपका जन्म रांची के छोटे से शहर में हुआ। आपने अपनी पढ़ाई डीएवी श्यामली में की, जहां आपने फुटबाल में उत्कृष्टता हासिल की, परंतु बाद में अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए क्रिकेट को अपनाने के लिए मजबूर हुए। इस प्रकार आपने इस खेल के उच्चतम स्तर में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु अपनी यात्रा का शुभारंभ किया, जिसके दौरान आपने सारे रिकॉर्डों की दुबारा इबारत लिखी और क्रिकेट के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया।

3. आप पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट के स्तम्भों में से एक हैं। आप इस खेल के सभी तीनों प्रारूपों में भारत के धुरन्धर खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। आपने अपनी शांत कप्तानी, विस्फोटक बल्लेबाजी और अपनी ट्रेडमार्क स्टाइल में खेल को समाप्त करने की क्षमता से पूरी दुनिया में अपने प्रशंसकों को सम्मोहित किया है। टेस्ट क्रिकेट में अपने करिअॅर की शुरुआत करने से लेकर 11 मैचों तक सबसे लम्बे समय तक अजेय (अनबीटेन) रहने का रिकार्ड आपके नाम है। फैसलाबाद में पाकिस्तान के विरूद्ध मैच जिताऊ 148 रन बनाने वाले युवा लम्बे बालों वाले धोनी को कौन भूल सकता है। आपने वर्ष 2005 में श्रीलंका के विरुद्ध भी नाट आउट रहते हुए 183 रन बनाए थे, जो किसी विकेटकीपर द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। एक कप्तान के रूप में आपने सबसे अधिक 331 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आप पहले ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जिन्होंने 4000 टेस्ट रनों का आंकड़ा पार किया। यह आपकी ही कप्तानी थी, जब भारत ने वर्ष 2009 में पहली बार टेस्ट क्रिकेट की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। आप लगातार 27 टेस्ट जीतने वाले सबसे सफल कप्तान हैं। विकेटकीपरों में, एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचो में 51.37* के औसत के साथ आपका रन औसत सबसे ऊँचा है। एक दिवसीय अंतर राष्ट्रीय मैचों में सातवें नम्बर पर बैटिंग करते हुए आपने सबसे अधिक शतक लगाए हैं। आपके नाम सभी प्रारूपों में 174*से अधिक स्टम्पिंग का और कप्तान के तौर पर आपके नाम 204 छक्कों का भी रिकॉर्ड है। आपने कप्तान और एक विकेटकीपर की हैसियत से 199 से अधिक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया, जो क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक है। आप एक दिवसीय मैंचों में 217* छक्के लगाने वाले पहले भारतीय हैं और इस रैंकिंग में चौथे नम्बर पर हैं। इन आउटिंग्स में 107* स्टम्पिंग का आपका अनबी टेबल रिकॉर्ड है, जिसमें अभी और इज़ाफा होना है। हमेशा फ्रंट से नेतृत्व करते हुए आपकी कप्तानी में टीम ने रिकॉर्ड ब्रेकिंग 41 ट्वेंटी'-ट्वेंटी अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत हासिल की। आपके नाम टी-ट्वेंटी मैचों में सबसे अधिक डिसमिसिल (78*) का रिकॉर्ड है, जिसमें आज की तारीख में रिकॉर्डब्रेकिंग 49* कैच और 29* स्टम्पिंग शामिल हैं। आप पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने खेल के इस छोटे फारमेट में 1000 रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर सबसे अधिक टी-20 मैच (41) जीते हैं। अतंरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी तीनों बड़ी आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले आप सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। वर्ष 2007 में आई सी सी की टी-20 ट्रॉफी जीतकर आपने प्रसिद्धि हासिल की। 28 वर्षों के अंतराल के बाद 2011 का विश्व कप जीतकर भारतीय क्रिकेट के वर्षानुक्रम इतिहास में आपने एक और सुनहरा पल जोड़ दिया। वर्ष 2013 में चैम्पियंस ट्राफी के खिताब हेतु भारत का नेतृत्व करते हुए इसे जीतकर आपने तिहरी सफलता अर्जित की।

4. सही मायने में एक योग्य चैम्पियन, आप कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं। वर्ष 2009 में आपको पद्मश्री और वर्ष 2007 में राजीव खेल रत्न प्राप्त हुआ। उसी वर्ष आपको प्रथम झारखंड रत्न प्रदान किया गया था जो राज्य का सर्वोच्च पुरस्कार है। आप पहले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें लगातार दो वर्षों 2007 और 2008 के लिए आई सी सी द्वारा एक दिवसीय मैचों के खिलाड़ी का पुरस्कार और इसके बाद वर्ष 2009 में आपको आई सी सी विश्व टेस्ट टीम और आई सी सी एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एकादश के कप्तान बनने का गौरव हासिल हुआ। फील्ड के अंदर और फील्ड के बाहर दोनों स्थितियों में अपने निर्मल आचरण से और केवल हाथ के कमाल से ही आपको भारतीय टेरीटोरियल आर्मी द्वारा वर्ष 2011 में लेफ्टीनेंट कर्नल की मानद रैंक से अलंकृत किया गया था। भारतीय रक्षा बलों के लिए आपका प्रेम वर्षों पहले जागा था जब एक पैराड्रपर के रूप में आपको पंख लगे थे। क्रिकेट का करिअॅर समाप्त होने के बाद आपकी भारतीय सेना में सेवा करने की इच्छा है।